॥ श्रीश्रीगुरु-गौराङ्गौ जयतः ॥

वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिका

मथुरा-वृन्दावन (अक्षांश—२७°३०' उत्तर और रेखांश—७७°४१' पूर्व) के लिए गणित

विक्रम सम्वत् २०७८ श्रीगौराब्द ५३५ ई॰ २०२१-२०२२

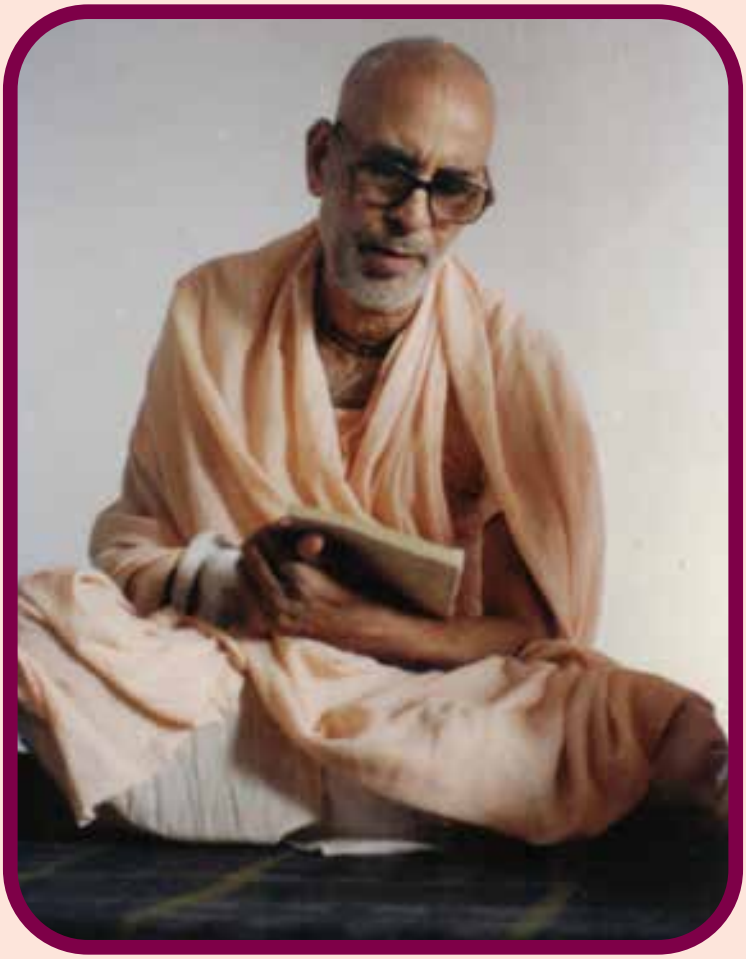

नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री

श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजके

आदेश-निर्देशानुसार उनके चरणाश्रितजनों

द्वारा सम्पादित

॥ श्रीश्रीगुरु-गौराङ्गौ जयतः ॥

'श्रीहरिभक्तिविलास' नामक वैष्णवस्मृति द्वारा सम्मत
तथा
सूर्यसिद्धान्तके अनुसार गणित 'विशुद्ध-सारस्वत श्रीचैतन्य-पञ्जिका' (नवद्वीप)
पर आधारित

वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिका

मथुरा-वृन्दावन (अक्षांश—२७°३०' उत्तर और रेखांश—७७°४१' पूर्व) के लिए गणित

श्रीगौराब्द	५३५	**ई॰**	२०२१-२०२२
विक्रम सम्वत्	२०७८	**भारतीयाब्द (शकाब्द)**	१९४३

श्रीकृष्णचैतन्याम्नाय दशमाधस्तनवर
श्रीगौड़ीयाचार्य-केशरी
नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजके
अनुगृहीत

नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजके
आदेश-निर्देशानुसार उनके चरणाश्रितजनों
द्वारा सम्पादित

गौड़ीय वेदान्त प्रकाशन

[नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजके द्वारा लिखित बङ्गला पञ्जिकाकी भूमिकाके आधारपर]

भूमिका

श्रीश्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजकी अहैतुकी अनुकम्पा, प्रेरणा और उनके आदेश-निर्देशके अनुसार हम इस वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिकाको प्रस्तुत करनेमें समर्थ हुए हैं। यह तालिका श्रीकृष्ण-चैतन्यदेवके एकान्त अनुगत रूपानुग-वैष्णवोंके द्वारा पालन किए जानेवाले विशुद्ध-सिद्धान्तों एवं आचारकी प्रचारक है। जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर प्रभुपादकी विचारधाराको लेकर ही यह व्रतोत्सव-तालिका सङ्कलित हुई है।

इस तालिकामें लिखित समस्त व्रतोपवास ही 'श्रीहरिभक्तिविलास' के मतानुसार हैं। वैष्णव-महाजनोंके आविर्भाव-तिरोभाव, यात्रा-महोत्सव, एकादशी आदि हरिवासर, चातुर्मास्य और ऊर्जाव्रत आदि समस्त व्रतोपवासोंमें ही विद्धा विचार करना एकान्त कर्त्तव्य है। श्रीहरिभक्तिविलासमें कहा गया है—"पूर्वविद्धा सदा त्याज्या, परविद्धा सदा ग्राह्या अर्थात् पूर्वविद्धा तिथि सर्वदा त्याग करने योग्य है तथा परविद्धा तिथि सर्वदा ग्रहण करने योग्य है।" उक्त विचारके अनुसार इस व्रतोत्सव-तालिकाको यथासम्भव निर्भूल प्रस्तुत करनेका प्रयत्न किया गया है।

जगद्गुरु श्रील प्रभुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुरके द्वारा अनुसृत एवं स्वीकृत प्राचीन गणना-पद्धति 'सूर्यसिद्धान्त' के अनुसार ही इस वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिकाके समस्त व्रतादि विषयोंकी गणना की जाती है। अतएव इस व्रत-तालिकामें आधुनिक 'दृक्-सिद्धान्त' के अनुसार गणित पञ्जिकाओंसे किसी-किसी स्थान पर व्रतदिवसके सम्बन्धमें भिन्नता रह सकती है। पुनः स्मार्त्त मतके अनुसार की गयी गणनासे भी भिन्नता रहना सम्भव है।

इसके अतिरिक्त भारतके पूर्वाञ्चल और पश्चिमाञ्चलमें सूर्योदयके समयमें अन्तर हेतु शास्त्रके विचारानुसार ही किसी-किसी एकादशी-व्रतके क्षेत्रमें व्रतदिवसमें भिन्नता घटती है। जिन पञ्जिकाओंमें भारतके पश्चिमाञ्चलमें सूर्योदयके अनुसार व्रत-दिवसोंकी गणना प्रदर्शित नहीं हुई, उन पञ्जिकाओंके साथ भी कुछेक व्रत-दिवसोंकी भिन्नता रहना सम्भव है। अतः भक्तजनों एवं व्रतोत्सव पालनकारी सज्जनोंसे अनुरोध है कि वे इन सब स्थलोंपर विचलित न हों।

शुद्ध-वैष्णवगण इस व्रतोपवास-तालिकाके विधानके अनुसार यात्रा-महोत्सव और व्रतोपवासादिका पालन कर हमारे प्रति कृपा-आशीर्वाद करें—यही उनके श्रीचरणोंमें प्रार्थना है।

विशेष द्रष्टव्य

- इस व्रतोत्सव-तालिकामें तिथियोंका निर्णय गौड़ीय-वैष्णव (गोस्वामी) मतानुसार किया गया है। इस मतानुसार सूर्योदयके समय जो तिथि रहती है, वही तिथि सम्पूर्ण दिनके लिए मान्य होती है। किन्तु एकादशी-तिथिमें अरुणोदय कालमें(सूर्योदयसे प्रायः १ घन्टा ३६ मिनट पहले) यदि दशमी-तिथिका अवस्थान हो तो वह एकादशी-तिथि दशमी-विद्धा होनेके कारण व्रतके लिए अनुपयुक्त होगी, ऐसी स्थितिमें अगले दिन ही शुद्धा-एकादशीका व्रत-पालन होगा।
- श्रीमद्भागवतके नवम-स्कन्धमें वर्णित शुद्धभक्त श्रीअम्बरीष महाराजके उपाख्यानसे यह जाना जाता है कि एकादशी-व्रतके अगले दिन निर्धारित समयपर व्रत नहीं खोलनेसे व्रत फलहीन हो जाता है। अतः निर्धारित समय पर ही एकादशी-व्रतका पारण करके व्रत खोलना चाहिए। इसी उद्देश्यसे इस व्रत-तालिकामें व्रतके अगले दिन व्रतके पारणका समय लिखा गया है।
- श्रीचैतन्य महाप्रभुके परिकरों एवं भक्तोंकी आविर्भाव और तिरोभाव तिथि-पूजाके समय उन-उन भक्तोंके पावन चरित्ररूपी अमृतके आस्वादन अर्थात् श्रवण और कीर्त्तनका सौभाग्य प्राप्त करके श्रीगुरुपदाश्रित साधक शुद्ध-भजन-साधनके मार्गमें अग्रसर होनेकी प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।
- इस चान्द्रवर्षमें १० जून २०२१को लगनेवाले कंकणाकृति सूर्यग्रहणके तथा ४ दिसम्बर २०२१को लगनेवाले खण्डग्रास सूर्यग्रहणके भारतवर्षमें दृश्य नहीं होनेके कारण भारतवर्षमें इन दोनों ग्रहणोंकी मान्यता नहीं होगी। इसके अतिरिक्त २६ मई २०२१ एवं १९ नवम्बर २०२१ को लगनेवाले दोनों मान्द्य खण्डग्रास चन्द्रग्रहणोंके भारतवर्षमें केवल सुदूर पूर्वोत्तर राज्योंमें ही अल्पकालके लिए दृश्य होनेके कारण भारतवर्षमें अन्यत्र इन दोनों ग्रहणोंकी मान्यता नहीं होगी तथा धार्मिक दृष्टिसे सूतक, वेध, यम, नियम, स्नान, दानादि पर्व पुण्यादिकी मान्यता भी नहीं होगी।
- "स्मार्त्त मतके अनुसार ग्रहणका समय अशुद्ध काल है। अशुद्ध अवस्थामें जो समस्त कार्य स्मार्त्त लोगोंको नहीं करने होते, वे लोग ग्रहणके समय भी वह सब कार्य नहीं करते। किन्तु सेवा-परायण वैध-भक्तोंके लिए इन समस्त प्राकृत विधियों की अपेक्षा न कर सम्भव होनेपर यथाकाल(भगवत्) सेवा करना ही कर्त्तव्य है।"

  —श्रील प्रभुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुरकी पत्रावली
- संक्रान्तिका अर्थ है, 'सूर्यका एक राशिसे अगली राशिमें संक्रमण(जाना)'। अतएव सम्पूर्ण वर्षमें कुल १२ संक्रान्तियाँ होती हैं। आन्ध्र प्रदेश, तेलङ्गाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, उडीसा, पंजाब, गुजरात, मिथिला(बिहार) और नेपालमें संक्रान्तिके दिनसे ही सौरमासका आरम्भ होता है। किन्तु बङ्गाल और असममें संक्रान्तिका दिन महीनेका अन्तिम दिन माना जाता है और संक्रान्तिके अगले दिनसे सौरमासका आरम्भ होता है। *(Wikipedia)*

एकादशी-व्रतके पारणका नियम

यदि एकादशी-व्रतका पालन निर्जला किया हो, तो चरणामृत द्वारा पारण करें, फलाहार किया हो तो अन्न-प्रसादके द्वारा पारण करें। भगवान् श्रीजगन्नाथके अन्न-महाप्रसादके द्वारा व्रतका पारण करना सर्वश्रेष्ठ है। नियमित समय पर पारण करनेसे ही एकादशीका व्रत सम्पूर्ण होता है। महाद्वादशीका व्रत उपस्थित होनेपर एकादशी तिथिके दिन व्रतका पालन न करके महाद्वादशी तिथिके दिन ही व्रतको पालन करनेका नियम है।

एकादशी एवं अन्य भगवदवतारोंके व्रतके लिए निषिद्ध खाद्य पदार्थ

- टमाटर, बैंगन, फूल गोभी, शिमला मिर्च, मटर, चना, सब प्रकारकी सेम, लोबिया, राजमा इत्यादि एवं उनसे बने पदार्थ जैसे पापड़, सोयाबीनकी दही, सोयाबीनका दूध इत्यादि।
- करेला, लौकी, परमल, तोरई, सेम, डन्ठल, भिंडी, केलेका फूल।
- सभी प्रकारकी पत्तेवाली सब्जियाँ—पालक, सलाद, पत्ता गोभी, कड़ी पत्ता, नीम पत्ता इत्यादि।
- अन्न जातीय—बाजरा, जौं, सूजी, दलिया, चावल, श्यामा चावल, मक्का, सभी प्रकारकी दालें एवं अन्न, साबुदाना, गेहूँका आटा एवं समस्त प्रकारके आटे जैसे चावलका आटा, चनेका आटा, उड़दकी दालका आटा इत्यादि।
- मक्का या अन्नका माड़ तथा उनसे बनी या मिश्रित वस्तुएँ जैसे—बेकिंग सोडा, बेकिंग पाउडर, कस्टर्ड, केक, हलवा, क्रीम, मिठाई, साबु-दाना इत्यादि।
- अन्न जातीय तेल जैसे मक्का तेल, सरसोंका तेल, तिलका तेल इत्यादि तथा इनमें तले हुए पदार्थ, जैसे मूंगफली, काजु, आलूके चिप्स इत्यादि।
- शहद।

एकादशीमें व्यवहार किये जानेवाले मसाले

- हल्दी, काली मिर्च, अदरक तथा शुद्ध नमक (जो अन्य दिनोंमें व्यवहृत न किया गया हो या नया पैकेट)

निषिद्ध मसाले

- तिल, जीरा, हींग, मेंथी, सरसों, इमली, सौंफ, खसखस, कलौंज, अजवाइन, इलायची, जायफल, लौंग इत्यादि।

समस्त व्रतोंमें व्यवहार किये जानेवाले खाद्य पदार्थ

- समस्त प्रकारके ताजे फल तथा मेवे तथा मेवोंसे बने तेल। आलू, कद्दू (पेठा), खीरा, मूली, कच्चा पपीता, नीम्बू, कटहल, जैतुन, नारियल।
- दूधसे बने पदार्थ।

चातुर्मास्यके समय निषिद्ध पदार्थ

- टमाटर, बैंगन, सेम, लोबिया, लौकी, परमल, उड़द दाल एवं शहद। **प्रथम मास**—हरे पत्तेवाली सब्जियाँ, साग; **द्वितीय मास**—दहीं; **तृतीय मास**—दूध; तथा **चतुर्थ मासमें** सरसोंका तेल इत्यादि निषिद्ध हैं।

ग्रहणके समयमें ध्यान देने योग्य बातें

- श्रीभगवान्‌का नाम-सङ्कीर्त्तन करते हुए ग्रहणके समयको व्यतीत करें। ग्रहणके समय रन्धन, आहार-निद्रा निषिद्ध है। मल-मूत्र त्यागको यथासम्भव रोकें।

यात्राके सम्बन्धमें कुछ विचार

- **यात्रामें शुभ-अशुभ तिथि**—कृष्ण एवं शुक्ल दोनों पक्षोंकी षष्ठी, अष्टमी, द्वादशी, पूर्णिमा एवं अमावस्या यात्राके लिए अशुभ हैं। शुक्ल प्रतिपद, रिक्ता-तिथि(दोनों पक्षोंकी चतुर्थी, नवमी और चतुर्दशी), अवम्(क्षय-तिथि) और त्रिस्पर्श (वृद्धि-तिथि)के दिन भी यात्रा निषिद्ध है।

  कृष्ण-प्रतिपदको यात्रा शुभ, **द्वितीय**को पथ शुभ, **तृतीया**को जय, **चतुर्थी**को वध, बन्धन और क्लेश, **पञ्चमी**को अभीष्ट-सिद्धि, **षष्ठी**को व्याधि, **सप्तमी**को अर्थलाभ, **अष्टमी**को मन-पीड़ा, **नवमी**को मृत्यु(या अपयश और अपमानरूपी मृत्यु), **दशमी**को भूमिलाभ, **एकादशी**को आरोग्य, **द्वादशी**को यात्रा निषिद्ध, **त्रयोदशी**को सर्वसिद्धि, **चतुर्दशी, अमावस्या और पूर्णिमा**को यात्रा निषिद्ध तथा **यम-द्वितीया** यात्राके लिए अशुभ है।

  यदि अशुभ एवं निषिद्ध तिथिके दिन यात्रा अत्यावश्यक हो, तो ऐसी तिथियोंमें निम्नलिखित उत्तम और मध्यम नक्षत्रकालके विद्यमान रहनेपर उनमें यात्रा करना उचित है।
- **यात्राके उत्तम नक्षत्र**—अश्विनी, हस्ता, पुष्या, अनुराधा, पुनर्वसु, रेवती, श्रवणा, धनिष्ठा और मृगशिरा नक्षत्रमें यात्रा उत्तम मानी जाती है। **यात्राके मध्यम नक्षत्र**—ज्येष्ठा, मूला, शतभिषा, उत्तरफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, उत्तरभाद्रपद, रोहिणी, पूर्वफाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा और पूर्वभाद्रपद नक्षत्रमें यात्रा मध्यम मानी जाती है। **यात्राके निषिद्ध नक्षत्र**—चित्रा, स्वाती, भरणी, विशाखा, मघा, आर्द्रा, कृत्तिका और अश्लेषा नक्षत्रमें यात्रा निषिद्ध है।
- समय-प्रदीपमें वर्णन है कि यात्राभिलाषी व्यक्ति यात्राकालमें बछड़े सहित गाय, बैल, हाथी, अश्व, दक्षिणावर्त्त अग्नि, दिव्यस्त्री, पूर्णकुम्भ, द्विज (ब्राह्मण), पुष्पमाला, पताका, घी, दही, शहद, चाँदी, सोना और शुक्ल-धान्य(सफेद चावल)का दर्शन करनेसे शुभफल प्राप्त करते हैं।

विष्णु—चैत्र

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०८	**५ अप्रैल**	**सोम**	**श्रील श्रीवास पण्डितका आविर्भाव।**
कृ. १२	**८ अप्रैल**	**बृह.**	**पक्षवर्द्धिनी महाद्वादशी व्रतोपवास। श्रीगोविन्द घोष ठाकुरका तिरोभाव।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद १०-१३ से पहले पारण। द्वादशी—बुधवार अन्तिम रात्रि ४-२४से बृहस्पतिवार अन्तिम रात्रि ४-२१ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १५	१२ अप्रैल	सोम	अमावस्या। अमान्त विक्रम सम्वत् २०७७ समाप्त।
शु. ०१	१३ अप्रैल	मङ्गल	अमान्त विक्रम सम्वत् २०७८ चान्द्रवर्ष आरम्भ।
शु. ०२	**१४ अप्रैल**	**बुध**	**श्रीकेशव-व्रत आरम्भ। एक मासके लिए शालग्राम शिला एवं तुलसीमें जलधारा दान आरम्भ।** मेष-संक्रान्ति। **सौर नववर्ष वैशाख-मास आरम्भ।**
शु. ०५	**१७ अप्रैल**	**शनि**	**श्रील रामानुजाचार्यका आविर्भाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिहृदय वन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०७	१९ अप्रैल	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविलास तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०९	**२१ अप्रैल**	**बुध**	**श्रीरामनवमी व्रतोपवास।** श्रीश्रीमद्भक्तिवल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१० से पहले पारण)
शु. ११	**२३ अप्रैल**	**शुक्र**	**कामदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और दिन १०-०८से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार सायं ५-२४से शनिवार दोपहर ३-५४तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	२४ अप्रैल	शनि	श्रीकृष्णका दमनकरोपण उत्सव।
शु. ३०	**२७ अप्रैल**	**मङ्गल**	**पूर्णिमा। श्रीबलदेव प्रभुकी रासयात्रा, श्रीकृष्णकी वसन्त रासयात्रा। श्रील वंशीवदनानन्द गोस्वामी और श्रील श्यामानन्द प्रभुका आविर्भाव।**

मधुसूदन—वैशाख

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०६	२ मई	रवि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुमुद सन्त गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ०७	**३ मई**	**सोम**	**श्रील अभिराम ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. ०९	५ मई	बुध	श्रीश्रीमद्भक्तिवल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. १०	**६ मई**	**बृह.**	**श्रील वृन्दावन दास ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. ११	**७ मई**	**शुक्र**	**वरुथिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और १०-०२से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार सायं ५-३४से शनिवार सायं ६-३० तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १५	**११ मई**	**मङ्गल**	**अमावस्या। श्रील गदाधर पण्डित प्रभुका आविर्भाव।**
शु. ०२	१३ मई	बृह.	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविचार यायावर गोस्वामी महाराजका आविर्भाव
शु. ०३	**१४ मई**	**शुक्र**	**अक्षय-तृतीया।** (तिथि-अनुसार)
शु. ०४	**१५ मई**	**शनि**	**अक्षय-तृतीया। (उत्कल मतानुसार) श्रीश्रीजगन्नाथदेवकी चन्दन-यात्रा आरम्भ, श्रीबद्रीनारायणजीका द्वारोद्घाटन। श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिका प्रतिष्ठा-दिवस। श्रीकेशव-व्रत समाप्त।** वृषभ-संक्रान्ति। सौर ज्येष्ठ-मास आरम्भ।
शु. ०९	**२१ मई**	**शुक्र**	**श्रीनित्यानन्दशक्ति श्रीजाह्नवादेवी तथा श्रीरामशक्ति श्रीसीतादेवीका आविर्भाव। श्रील मधु पण्डित प्रभुका तिरोभाव।**
शु. १२	**२३ मई**	**रवि**	**मोहिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और दिन १०-०० से पहले पारण। द्वादशी—शनिवार मध्य रात्रि २-३१से रविवार रात्रि १२-२४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १४	**२५ मई**	**मङ्गल**	**श्रीनृसिंह-चतुर्दशी-व्रतोपवास। श्रीनृसिंहदेवका आविर्भाव।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद दिन ९-५९से पहले पारण।)
शु. ३०	**२६ मई**	**बुध**	**पूर्णिमा। श्रील माधवेन्द्र पुरी गोस्वामी और श्रील श्रीनिवास आचार्य प्रभुका आविर्भाव। श्रील परमेश्वरी ठाकुरका तिरोभाव। श्रीराधारमणदेवजीकी प्राकट्य तिथि।** पूर्णग्रास चन्द्रग्रहण (केवल भारतवर्षके पूर्वोत्तर क्षेत्रोंमें ग्रस्तोदय दृश्य)

त्रिविक्रम—ज्येष्ठ

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	२७ मई	बृह.	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिसारङ्ग गोस्वामी महाराजका तिरोभाव
कृ. ०५	**३१ मई**	**सोम**	**श्रीगौर पार्षद श्रील रायरामानन्द प्रभुका तिरोभाव।**
कृ. ११	**६ जून**	**रवि**	**अपरा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०० बजे से पहले पारण। द्वादशी—रविवार प्रात ७-५३से सोमवार दिन ९-३५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	**७ जून**	**सोम**	**श्रील वृन्दावन दास ठाकुरका आविर्भाव।**
कृ. १५	१० जून	बृह.	अमावस्या। वलयग्रास सूर्यग्रहण (भारतवर्षमें अदृश्य।)
शु. ०५	१५ जून	मङ्गल	मिथुन-संक्रान्ति। सौर आषाढ़-मास आरम्भ।
शु. ०९	**१९ जून**	**शनि**	**श्रील बलदेव विद्याभूषण प्रभुका तिरोभाव।** (किसी-किसीके मतानुसार दशमीके दिन)
शु. १०	**२० जून**	**रवि**	**श्रीगङ्गादेवीका आविर्भाव। गङ्गा दशहरा, श्रीगङ्गापूजा। श्रीगङ्गामाता गोस्वामिनीका तिरोभाव।**
शु. ११	**२१ जून**	**सोम**	**पाण्डवा निर्जला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद प्रातः ७-३९से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार दिन १०-०५से मङ्गलवार प्रातः ७-३९ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	२२ जून	मङ्गल	दोपहर २-०७से अम्बुवाची प्रवृत्ति आरम्भ। (अम्बुवाची काल-अवधिमें भूमिको खोदना नहीं चाहिए)
शु. १३	**२३ जून**	**बुध**	**श्रीपाट पाणिहाटीमें श्रील रघुनाथदास गोस्वामीका दण्ड(दही-चिड़वा)-महोत्सव।**
शु. ३०	**२४ जून**	**बृह.**	**पूर्णिमा। श्रीजगन्नाथदेवकी स्नानयात्रा। श्रील मुकुन्द दत्त और श्रील श्रीधर पण्डितका तिरोभाव।**

वामन—आषाढ़

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	**२५ जून**	**शुक्र**	**श्रील श्यामानन्द प्रभुका तिरोभाव।** (श्रीगोपीवल्लभपुरमें उत्सव।) रात्रि २-३०के बाद अम्बुवाची समाप्त।
कृ. ०५	**२९ जून**	**मङ्गल**	**श्रील वक्रेश्वर पण्डितका आविर्भाव।**
कृ. १०	**४ जुलाई**	**रवि**	**श्रील श्रीवास पण्डितका तिरोभाव।**
कृ. १२	**६ जुलाई**	**मङ्गल**	**पक्षवर्द्धिनी महाद्वादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०६से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार रात्रि ११-०३से मङ्गलवार रात्रि १-०४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १५	**१० जुलाई**	**शनि**	**अमावस्या। श्रीगौरशक्ति श्रील गदाधर पण्डित और श्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुरका तिरोभाव।**
शु. ०१	**११ जुलाई**	**रवि**	**श्रीजगन्नाथदेवके श्रीगुण्डिचा-मन्दिरका मार्जन।**
शु. ०२	**१२ जुलाई**	**सोम**	**श्रीजगन्नाथदेवकी रथयात्रा। (उत्कल मत) श्रील स्वरूप दामोदर गोस्वामी और श्रील शिवानन्दसेनका तिरोभाव।**
शु. ०७	१६ जुलाई	शुक्र	हेरा-पञ्चमी(उत्कल मतानुसार)। श्रीलक्ष्मी-विजय।
शु. ०८	१७ जुलाई	शनि	कर्क-संक्रान्ति। सौर श्रावण-मास आरम्भ।
शु. १०	१९ जुलाई	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकमल मधुसूदन गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ११	**२० जुलाई**	**मङ्गल**	**शयन एकादशी व्रतोपवास। श्रीहरिशयन। श्रीजगन्नाथदेवकी पुनर्यात्रा।** (उत्कल मतानुसार) श्रीश्रीमद्भक्तिविज्ञान भारती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०९से पहले पारण। द्वादशी—मङ्गलवार अपराह्न ४-५३से बुधवार दोपहर २-३१ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. ३०	**२४ जुलाई**	**शनि**	**श्रीगुरु-पूर्णिमा, श्रीव्यासपूजा। श्रील सनातन गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव। चातुर्मास्य-व्रत प्रारम्भ**—श्रावणमासमें शाक (हरे पत्ते), भाद्रमें दही, आश्विनमें दूध, कार्तिक-मासमें सरसोंके तेल इत्यादिका परित्याग।

श्रीधर—श्रावण

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	**२५ जुलाई**	**रवि**	**श्रीगौर-पार्षद श्रील प्रबोधानन्द सरस्वती गोस्वामीका तिरोभाव।**
कृ. ०२	२६ जुलाई	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिहृदय वन गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिसौरभ भक्तिसार गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०५	**२८ जुलाई**	**बुध**	**श्रील गोपालभट्ट गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव।**
कृ ०८	**१ अगस्त**	**रवि**	**श्रीगौर-पार्षद श्रील लोकनाथ गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव।**
कृ. ११	**४ अगस्त**	**बुध**	**कामिका एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१२से पहले पारण। द्वादशी—बुधवार दोपहर २-३२से बृहस्पतिवार सायं ४-१६ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १५	८ अगस्त	रवि	अमावस्या। श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिरक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ०४	**१२ अगस्त**	**बृह.**	**श्रील रघुनन्दन ठाकुर** एवं श्रील वंशीदास बाबाजी महाराजका तिरोभाव।
शु. १०	१७ अगस्त	मङ्गल	सिहं-संक्रान्ति। सौर भाद्र-मास आरम्भ।
शु. ११	**१८ अगस्त**	**बुध**	**पवित्रारोपणी एकादशी व्रतोपवास। श्रीश्रीराधा-गोविन्दकी झूलनयात्रा आरम्भ।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१२से पहले पारण। द्वादशी—बुधवार रात्रि १२-०९से बृहस्पतिवार रात्रि १०-०० तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	**१९ अगस्त**	**बृह.**	**श्रीकृष्णका पवित्रारोपण उत्सव। श्रील रूप गोस्वामी प्रभु, श्रील गौरीदास पण्डित और श्रील गोविन्ददास पण्डितका तिरोभाव। (श्रीरूप-सनातन गौड़ीय मठ, वृन्दावनमें श्रील रूप गोस्वामी प्रभुका त्रि-दिवसीय विरह-महोत्सव)।**
शु. ३०	**२२ अगस्त**	**रवि**	**श्रीबलदेव पूर्णिमा व्रतोपवास। श्रीबलदेव प्रभुका आविर्भाव। श्रीश्रीराधागोविन्दकी झूलन-यात्रा समाप्ति।** रक्षाबन्धन। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१२ से पहले पारण।)

हृषीकेश—भाद्र

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०८	**३० अगस्त**	**सोम**	**श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतोपवास।** (अगले दिन ९-२४के बाद और १०-१२ से पहले पारण।)
कृ. ०९	**३१ अगस्त**	**मङ्गल**	**श्रीनन्दोत्सव।** **श्रील प्रभुपाद-पार्षद इस्कॉन संस्थापक श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका आविर्भाव।**
कृ. १२	**३ सितम्बर**	**शुक्र**	**व्यञ्जुली महाद्वादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ६-३९ से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार प्रातः ५-४०से शनिवार प्रातः ६-३९ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १५	७ सितम्बर	मङ्गल	अमावस्या।
शु. ०१	८ सितम्बर	बुध	श्रीश्रीमद्गौरगोविन्द महाराजका आविर्भाव।
शु. ०४	**१० सितम्बर**	**शुक्र**	**श्रीअद्वैतपत्नी श्रीसीतादेवीका आविर्भाव।**
शु. ०७	**१३ सितम्बर**	**सोम**	**श्रीललिता-सप्तमी।**
शु. ०८	**१४ सितम्बर**	**मङ्गल**	**श्रीश्रीराधाष्टमी-व्रत।**
शु. ११	**१७ सितम्बर**	**शुक्र**	**पार्श्व एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और श्रीवामनदेवके अर्चनके उपरापन्त ७-०३से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार प्रातः ८-३५से शनिवार प्रातः ७-०३ तक; तुलसी चयन निषेध।) कन्या-संक्रान्ति। सौर आश्विन-मास आरम्भ।
शु. १२	**१८ सितम्बर**	**शनि**	**श्रीवामन द्वादशी। श्रीवामनदेवका आविर्भाव। श्रील जीव गोस्वामी प्रभुका आविर्भाव।**
शु. १४	**१९ सितम्बर**	**रवि**	**श्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुरका आविर्भाव। (त्रयोदशी विद्धा-हेतु)** **नामाचार्य श्रील हरिदास ठाकुरका तिरोभाव।** श्रीश्रीमद्भक्तिविज्ञान भारती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ३०	२० सितम्बर	सोम	पूर्णिमा। **श्रीविश्वरूप महोत्सव।** नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका संन्यास ग्रहण दिवस।

पद्मनाभ—आश्विन

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०२	२२ सितम्बर	बुध	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविलास तीर्थ गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०६	२७ सितम्बर	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिश्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ११	**२ अक्टूबर**	**शनि**	**इन्दिरा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद १०-१० से पहले पारण। द्वादशी—शनिवार रात्रि ८-०१से रविवार रात्रि ८-०१ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १५	६ अक्टूबर	बुध	अमावस्या।
शु. ०४	१० अक्टूबर	रवि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रमोद पुरी गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. १०	**१५ अक्टूबर**	**शुक्र**	**विजय-दशमी। भगवान् श्रीरामचन्द्रजीका शुभ-विजय महोत्सव। जगद्गुरु श्रील मध्वाचार्यका आविर्भाव।**
शु. ११	**१६ अक्टूबर**	**शनि**	**पापाङ्कुशा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१० से पहले पारण। द्वादशी—शनिवार रात्रि ७-१५से रविवार रात्रि ६-३५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	**१७ अक्टूबर**	**रवि**	**श्रील रघुनाथदास गोस्वामी, श्रील रघुनाथभट्ट गोस्वामी एवं श्रील कृष्णदास कविराज गोस्वामीका तिरोभाव।**
शु. १३	**१८ अक्टूबर**	**सोम**	तुला-संक्रान्ति। **सौर कार्तिक-मास आरम्भ।** एक मास तक **आकाशमें दीपदानका आरम्भ** दीपदान मन्त्रः- **दामोदराय नभसि तुलायां लोलया सह।** **प्रदीपन्ते प्रयच्छामि नमोऽनन्ताय वेधसे।।** (ह.भ.वि.)
शु. ३०	**२० अक्टूबर**	**बुध**	**शरद-पूर्णिमा। श्रीश्रीराधाकृष्णकी शारदीय-रासयात्रा। कार्तिकव्रत, ऊर्जाव्रत, दामोदरव्रत, नियम-सेवा प्रारम्भ। श्रीमुरारिगुप्तका तिरोभाव। श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिके प्रतिष्ठाता श्रील प्रभुपाद-अन्तरङ्ग ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजका ५३वाँ वर्षपूर्त्ति विरह-महोत्सव।**

दामोदर—कार्तिक(कृष्ण-पक्ष)

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०५	२५ अक्टूबर	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुशल नारसिंह महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०६	२७ अक्टूबर	बुध	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविचार यायावर गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०७	**२८ अक्टूबर**	**बृह.**	**श्रील नरोत्तमदास ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. ०८	**२९ अक्टूबर**	**शुक्र**	**बहुलाष्टमी। श्रीराधाकुण्डकी प्राकट्य तिथि।** श्रीराधाकुण्डमें स्नान-दानादि महोत्सव। **श्रील गदाधर दास ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. ०९	३० अक्टूबर	शनि	**श्रीवीरचन्द्र प्रभुका आविर्भाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिरक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ११	**१ नवम्बर**	**सोम**	**रमा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ८-२७ से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार प्रातः ९-२४से मङ्गलवार प्रातः ८-२७ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	**२ नवम्बर**	**मङ्गल**	**श्रीखण्डवासी श्रील नरहरि सरकार ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. १३	३ नवम्बर	बुध	यम-दीपदान।
कृ. १५	**४ नवम्बर**	**बृह.**	**अमावस्या।** यम-चतुर्दशी। (चतुर्दशी-विद्धा हेतु) श्रीविष्णु मन्दिरमें १४ दीपदान। **दीपावली। श्रीविष्णु मन्दिरमें दीपदान।**

दामोदर—कार्तिक(शुक्ल-पक्ष)

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु. ०१	**५ नवम्बर**	**शुक्र**	**पूर्वाह्नमें गो-पूजा और श्रीगोवर्धन-पूजा। अन्नकूट-महोत्सव।** बलिपूजा। **श्रील रसिकानन्द प्रभुका आविर्भाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुसुम श्रमण गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०२	**६ नवम्बर**	**शनि**	**श्रीगौर-पार्षद श्रील वासुदेव घोषका तिरोभाव। भ्रातृद्वितीया (भैया-दूज), यमद्वितीया।**
शु. ०३	**७ नवम्बर**	**रवि**	**नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजका क्रमशः १७वाँ एवं १९वाँ वार्षिक विरह-महोत्सव।**
शु. ०४	**८ नवम्बर**	**सोम**	**श्रील प्रभुपाद-पार्षद इस्कॉन संस्थापक श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका तिरोभाव।**
शु. ०५	९ नवम्बर	मङ्गल	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिश्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०८	**१२ नवम्बर**	**शुक्र**	**गोपाष्टमी। श्रील गदाधर दास ठाकुर, श्रील धनञ्जय पण्डित एवं श्रील श्रीनिवासाचार्य प्रभुका तिरोभाव।**
शु. ११	**१५ नवम्बर**	**सोम**	**उत्थान एकादशी व्रतोपवास।** भीष्मपञ्चक आरम्भ। **श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराजका तिरोभाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिदयित माधव गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद ९-१४से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार प्रातः ८-५०से मङ्गलवार दिन ९-१४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १३	१७ नवम्बर	बुध	वृश्चिक-संक्रान्ति। सौर अग्रहायण-मास आरम्भ। आकाशमें दीपदानकी समाप्ति।
शु. १४	१८ नवम्बर	बृह.	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रमोद पुरी गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ३०	**१९ नवम्बर**	**शुक्र**	**पूर्णिमा। श्रीश्रीराधाकृष्णकी हैमन्तिकी रासयात्रा। चातुर्मास्य-व्रत, कार्तिक-व्रत, दामोदर-व्रत, उर्जाव्रत, नियम-सेवा समाप्त। श्रील भूगर्भ गोस्वामी एवं श्रील काशीश्वर पण्डितका तिरोभाव।** खण्डग्रास चन्द्रग्रहण(केवल भारतवर्षके सुदूर पूर्वोत्तर क्षेत्रमें ही मान्द्य स्वरूपमें दृश्य।)

केशव—अग्रहायण(मार्गशीर्ष)

ई॰ २०२१

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	**२० नवम्बर**	**शनि**	**श्रीकात्यायनी-व्रत आरम्भ।**
कृ. ०५	२४ नवम्बर	बुध	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविकास हृषीकेश गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ०७	२६ नवम्बर	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिसमबन्ध तुर्याश्रमी गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ११	**३० नवम्बर**	**मङ्गल**	**उत्पन्ना एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-२० से पहले पारण। द्वादशी—मङ्गलवार रात्रि ९-५३से बुधवार रात्रि ८-११ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १३	**२ दिसम्बर**	**बृह.**	**श्रीगौर-पार्षद श्रील सारङ्ग ठाकुरका तिरोभाव**
कृ. १५	४ दिसम्बर	शनि	अमावस्या। पूर्णग्रास सूर्यग्रहण।(भारतवर्षमें अदृश्य)
शु. ०४	७ दिसम्बर	मङ्गल	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिजीवन जनार्दन गोस्वामी महाराजका तिरोभाव। (तृतीया-विद्धा हेतु)
शु. ०८	११ दिसम्बर	शनि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिजीवन जनार्दन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०९	१२ दिसम्बर	रवि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकमल मधुसूदन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ११	**१४ दिसम्बर**	**मङ्गल**	**गीता-जयन्ती।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुसुम श्रमण गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. १२	**१५ दिसम्बर**	**बुध**	**पक्षवर्द्धिनी महाद्वादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-३०से पहले पारण। द्वादशी—मङ्गलवार मध्य रात्रि १-३२से बुधवार मध्य रात्रि २-५९ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १३	१६ दिसम्बर	बृह.	धनु-संक्रान्ति। सौर पौष-मास आरम्भ।
शु. ३०	**१९ दिसम्बर**	**रवि**	**पूर्णिमा। श्रीकात्यायनी-व्रत समाप्त।**

नारायण—पौष

ई॰ २०२१-२२

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०४	**२३ दिसम्बर**	**बृह.**	**जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर प्रभुपादका ८४वाँ विरह-महोत्सव।**
कृ. ०९	**२८ दिसम्बर**	**मङ्गल**	**नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराजकी १००वीं आविर्भाव-तिथि-श्रीव्यासपूजा। परमाराध्यतम श्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजका एकादश-वर्षपूर्त्ति विरह-महोत्सव।**
कृ. ११	**३० दिसम्बर**	**बृह.**	**सफला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ७-२४से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार दिन ९-३५से शुक्रवार प्रातः ७-२४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	३१ दिसम्बर	शुक्र	**श्रीदेवानन्द पण्डितका तिरोभाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिभूदेव श्रौती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. १४	**१ जनवरी**	**शनि**	**श्रील महेश पण्डित एवं श्रील उद्धारण दत्त ठाकुरका तिरोभाव।** (त्रयोदशी-विद्धा हेतु)
कृ. १५	२ जनवरी	रवि	अमावस्या।
शु. ०३	**५ जनवरी**	**बुध**	**श्रील जीव गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव।**
शु. ११	**१३ जनवरी**	**बृह.**	**पुत्रदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-४२ से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार रात्रि ८-३७से शुक्रवार रात्रि १०-४३ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	**१४ जनवरी**	**शुक्र**	**मकर-संक्रान्ति।** सौर माघ-मास आरम्भ। **गङ्गासागर-स्नान। श्रील जगदीश पण्डितका तिरोभाव**
शु. १३	१५ जनवरी	शनि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुमुद सन्त गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ३०	**१७ जनवरी**	**सोम**	**पूर्णिमा। श्रीकृष्णकी पुष्याभिषेक यात्रा।**

माधव—माघ(कृष्ण-पक्ष)

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०३	२१ जनवरी	शुक्र	**श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामीका आविर्भाव। श्रील रामचन्द्र कविराज गोस्वामीका तिरोभाव।**
कृ. ०५	२३ जनवरी	रवि	**श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रील नरहरि सेवाविग्रह प्रभुका तिरोभाव।** श्रीश्रीमद्भक्तिवैभव पुरी गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ०७	२४ जनवरी	सोम	**श्रील जयदेव गोस्वामीका तिरोभाव।** (षष्ठी क्षय-हेतु)
कृ. ०९	२६ जनवरी	बुध	**श्रील लोचनदास ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. ११	२८ जनवरी	शुक्र	**षट्तिला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-४४ से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार रात्रि ८-२७ से शनिवार रात्रि ६-०५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	२९ जनवरी	शनि	**श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।**
कृ. १५	१ फरवरी	मङ्गल	**मौनी-अमावस्या। परमाराध्यतम श्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजकी १०१वीं आविर्भाव-तिथिपूजा। श्रीव्यासपूजा-महोत्सव।**

माधव—माघ(शुक्ल-पक्ष)

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु. ०५	६ फरवरी	रवि	**श्रीकृष्णकी वसन्त-पञ्चमी। श्रीगौरशक्ति श्रीविष्णुप्रियादेवी, श्रीपुण्डरीक विद्यानिधि, श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी और श्रील रघुनन्दन ठाकुरका आविर्भाव। श्रील विश्वनाथ चक्रवर्त्ती ठाकुर** और श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविवेक भारती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव। श्रीसरस्वती पूजा।
शु. ०७	८ फरवरी	मङ्गल	**महाविष्णुके अवतार श्रीअद्वैताचार्य प्रभुके आविर्भावके उपलक्ष्यमें व्रतोपवास।** माकरी सप्तमी (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-४२ से पहले पारण।)
शु. ०९	१० फरवरी	बृह.	**जगद्गुरु श्रील मध्वाचार्यका तिरोभाव।**
शु. १०	११ फरवरी	शुक्र	**जगद्गुरु श्रील रामानुजाचार्यका तिरोभाव।**
शु. ११	१२ फरवरी	शनि	**जया या भैमी एकादशी व्रतोपवास।** **श्रील केशव भारतीका आविर्भाव।** (अगले दिन श्रीवराहदेवके अर्चनके उपरान्त सूर्योदयके बाद १०-४२से पहले पारण। द्वादशी—शनिवार सायं ४-२०से रविवार सायं ६-२३ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	१३ फरवरी	रवि	**श्रीवराह द्वादशी। श्रीवराहदेवका आविर्भाव।** कुम्भ-संक्रान्ति। सौर फाल्गुन-मास आरम्भ।
शु. १३	१४ फरवरी	सोम	**श्रीनित्यानन्द त्रयोदशी व्रतोपवास, श्रीनित्यानन्द प्रभुका आविर्भाव।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-३५से पहले पारण।)
शु. ३०	१६ फरवरी	बुध	**माघी-पूर्णिमा। श्रीकृष्णका मधुरोत्सव। श्रील नरोत्तमदास ठाकुरका आविर्भाव।**

गोविन्द—फाल्गुन

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३५ एवं विक्रम सम्वत्-२०७८ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०३	**१९ फरवरी**	**शनि**	**श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिके प्रतिष्ठाता-नियामक श्रील प्रभुपाद-अन्तरङ्ग नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजकी १२४वीं आविर्भाव-तिथिपूजा।**
कृ. ०५	**२१ फरवरी**	**सोम**	**जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद परमहंस अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर प्रभुपादकी १४८वीं आविर्भाव-तिथिपूजा।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिभूदेव श्रौती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। श्रीश्रीमद्गौरगोविन्द महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०६	२२ फरवरी	मङ्गल	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिसारङ्ग गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. १२	**२७ फरवरी**	**रवि**	**विजया एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-३६ से पहले पारण। द्वादशी—रविवार प्रातः ६-३२ से रविवार अन्तिम रात्रि ४-२१ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १४	**१ मार्च**	**मङ्गल**	**शिव-चतुर्दशी, श्रीशिवरात्रि व्रत।**(अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-३५ से पहले पारण)।
कृ. १५	२ मार्च	बुध	अमावस्या।
शु. ०१	**३ मार्च**	**बृह.**	**श्रील रसिकानन्द प्रभु, श्रील जगन्नाथदास बाबाजी महाराज** और श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिदयित माधव गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ०९	**१२ मार्च**	**शनि**	**श्रीनवद्वीप-धाम परिक्रमाका संकल्प ग्रहण।** (परिक्रमा-काल १३ मार्च से १७ मार्च तक)
शु. ११	**१४ मार्च**	**सोम**	**आमलकी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-२५ से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार दिन १०-४७ से मङ्गलवार दिन १२-०३ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	**१५ मार्च**	**मङ्गल**	**श्रील माधवेन्द्र पुरी गोस्वामी और श्रील हृदयानन्द गोस्वामीका तिरोभाव।** मीन-संक्रान्ति। सौर चैत्र-मास आरम्भ।
शु. ३०	**१८ मार्च**	**शुक्र**	**श्रीगौर-पूर्णिमा, श्रीगौर-जयन्तीका व्रतोपवास, महाभिषेक एवं संकीर्तन-महोत्सव।** होली। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-४६ से पहले पारण।)

विष्णु—चैत्र

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	**१९ मार्च**	**शनि**	**पूर्णिमान्त श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ वर्ष आरम्भ।**
कृ. ०८	**२५ मार्च**	**शुक्र**	**श्रील श्रीवास पण्डितका आविर्भाव।**
कृ. ११	**२८ मार्च**	**सोम**	**पापमोचनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद १०-१८ से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार दोपहर ४-१८से मङ्गलवार दोपहर २-३८ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	**२९ मार्च**	**मङ्गल**	**श्रीगोविन्द घोष ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. १५	१ अप्रैल	शुक्र	अमावस्या। अमान्त विक्रम सम्वत् २०७८ समाप्त।
शु. ०१	२ अप्रैल	शनि	अमान्त विक्रम सम्वत् २०७९ चान्द्रवर्ष आरम्भ।
शु. ०५	**६ अप्रैल**	**बुध**	**श्रील रामानुजाचार्यका आविर्भाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिहृदय वन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०७	८ अप्रैल	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविलास तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०९	**१० अप्रैल**	**रवि**	**श्रीरामनवमी व्रतोपवास।** श्रीश्रीमद्भक्तिवल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१० से पहले पारण)
शु. ११	**१२ अप्रैल**	**मङ्गल**	**कामदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०८से पहले पारण। द्वादशी—मङ्गलवार रात्रि २-२९से बुधवार रात्रि २-४८तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	१३ अप्रैल	बुध	श्रीकृष्णका दमनकरोपण उत्सव।
शु. १३	**१४ अप्रैल**	**बृह.**	**श्रीकेशव-व्रत आरम्भ। एक मासके लिए शालग्राम शिला एवं तुलसीमें जलधारा दान आरम्भ।** मेष-संक्रान्ति। सौर नववर्ष वैशाख-मास आरम्भ।
शु. ३०	**१६ अप्रैल**	**शनि**	**पूर्णिमा। श्रीबलदेव प्रभुकी रासयात्रा, श्रीकृष्णकी वसन्त रासयात्रा। श्रील वंशीवदनानन्द गोस्वामी और श्रील श्यामानन्द प्रभुका आविर्भाव।**

श्रीतुलसी-देवीकी किञ्चित् महिमा

(श्रीहरिभक्तिविलाससे उद्धृत)

तुलसी-रहितां पूजां न गृह्णाति सदा हरिः।
काष्ठं वा स्पर्शयेत्तत्र न चेत्तन्नामतो यजेत्।।(७/२६३)

श्रीहरि कदापि तुलसीको छोड़कर पूजा ग्रहण नहीं करते हैं। यदि तुलसी-पत्र उपलब्ध न हो तो तुलसीकी काष्ठ(लकड़ी)का उपयोग करें। उसका भी अभाव होनेपर तुलसी-नामका उच्चारण कर पूजा करें।

वर्ज्यं पर्य्युषितं पुष्पं वर्ज्यं पर्य्युषितं फलम्।
न वर्ज्यं तुससीपत्रं न वर्ज्यं जाह्नवीजलम्।।(७/२९१)

बासे फूल और फल वर्जन करने होंगे, किन्तु तुलसी-पत्र और गङ्गा-जल बासे होनेपर भी वर्जनीय नहीं हैं।

संक्रान्त्यादौ निषिद्धोऽपि तुलस्यवचयः स्मृतौ।
परं श्रीविष्णुभक्तैस्तु द्वादश्यामेव नेष्यते।।(७/३५३)

स्मृतिशास्त्रके अनुसार संक्रान्ति इत्यादि काल (जैसे संक्रान्ति, अमावस्या, पूर्णिमा, द्वादशी, रविवार आदि)में तुलसी-चयन निषिद्ध होनेपर भी विष्णुभक्तगण केवल द्वादशीको ही तुलसी चयन नहीं करते।

तृणानि तुलसी-मूलात् यावन्त्यपहिनोति वै।
तावतीर्ब्रह्महत्या हि छिन्नत्येव न संशयः।।(९/१६५)

तुलसी-पौधेके मूलसे जितने परिमाणमें घासको उखाड़कर फैंका जाता है, उतने परिमाणमें ब्रह्महत्या-जनित पाप ध्वंस होता है, इसमें संशय नहीं है।

शिरसि क्रियते यैस्तु तुलसी-मूल-मृत्तिका।
विघ्नानि तस्य नश्यन्ति सानुकुला ग्रहास्तथा।।(९/१८५)

जो तुलसी-पौधेके मूलकी मिट्टी मस्तकपर धारण करते हैं, उनके सब प्रकारके विघ्न विनष्ट हो जाते हैं और ग्रह अनुकूल हो जाते हैं।

तुलसी-मृत्तिका-लिप्तो यदि प्राणान् परित्यजेत्।
यमेन नेक्षितुं शक्तो युक्तः पापशतैरपि।। (९/१८४)

यदि प्राण त्यागते समय तुलसीके मूलकी मिट्टीके द्वारा शरीर लिप्त रहता है, तो सैंकड़ों-सैंकड़ों पापयुक्त होनेपर भी यमराज उस व्यक्तिके प्रति दृष्टिपात करनेमें समर्थ नहीं होते।

तीर्थं यदि न संप्राप्तं स्मृतिर्वा कीर्तनं हरेः।
तुलसीकाष्ठ-दग्धस्य मृतस्य न पुनर्भवः।।(९/१९६)

मृत्युकालमें किसीका तीर्थवास न होनेपर अथवा हरि-कीर्तन या हरिस्मृति घटित नहीं होनेपर भी यदि मृत्युके बाद उस व्यक्तिका तुलसी-काष्ठकी अग्निसे दाह-संस्कार होता है, तो उसका पुनः जन्म नहीं होता।

परमाराध्यतम श्रील गुरुदेव ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री

श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजके

द्वारा स्वयं एवं उनके कृपाशीर्वाद और प्रेरणासे

भारतमें प्रतिष्ठित शुद्धभक्ति प्रचार-केन्द्र

१. **श्रीकेशवजी गौड़ीय मठ**, जवाहर हाट, मथुरा, (उ॰प्र॰)	९७१९०७०९३९
२. **श्रीरूप-सनातन गौड़ीय मठ**, दानगली, वृन्दावन, (उ॰प्र॰)	०९२१९४७८००१
३. **श्रीश्रीकेशवजी गौड़ीय मठ**, कोलेरडाङ्गा लेन, नवद्वीप, नदीया, (प.बं.)	०९३३३२२२७७५
४. **श्रीदुर्वासा-ऋषि गौड़ीय आश्रम**, ईशापुर, मथुरा, (उ॰प्र॰)	०९९१७६४३९७१
५. **श्रीगोपीनाथ-भवन,** इमली-तला, परिक्रमा-मार्ग, वृन्दावन, (उ॰प्र॰)	०९६३४५६३७३९
६. **श्रीगिरिधारी गौड़ीय मठ**, दसविसा, राधाकुण्ड रोड़, गोवर्धन, (उ॰प्र॰)	(०५६५)२८१५६६८
७. **श्रीरमणबिहारी गौड़ीय मठ**, बी-३, जनकपुरी, नई दिल्ली	(०११)२५५३३२६८
८. **श्रीवामन गोस्वामी गौड़ीय मठ**, ३९ रामानन्द चटर्जी स्ट्रीट, कोलकाता (प.बं.)	०९४३३२०३७१८
९. **श्रीरङ्गनाथ गौड़ीय मठ,** बेङ्गलुरु, कर्नाटक	(०८०)२८४६६७६०
१०. **जयश्रीदामोदर गौड़ीय मठ**, चक्रतीर्थ, पुरी, उड़ीसा	०९७७६२३८३२८
११. **श्रीराधे-कुञ्ज**, आनन्द-वाटिकाके समीप, परिक्रमा मार्ग, वृन्दावन, (उ॰प्र॰)	०९४५७२२५५६७
१२. **श्रीराधागोविन्द गौड़ीय मठ**, डी-५, सेक्टर-५५, नोएडा (उ॰प्र॰)	(०१२०)२५८२०१८
१३. **श्रीश्रीगोविन्दजी गौड़ीय मठ**, रूपनगर एन् क्लेव, जम्मू	०९९०६९०४८०९
१४. **श्रीराधामाधवजी गौडीय मठ**, माधवी कुञ्ज, भूपतवाला, हरिद्वार	(०१३३४)२६०८४५
१५. **आनन्द धाम गौड़ीय आश्रम**, परिक्रमा मार्ग, रमणरेती, वृन्दावन, (उ॰प्र॰)	(०५६५)२५४०८४९
१६. **श्रीनारायण गोस्वामी गौड़ीय मठ**, ३१/२८ दीनबन्धु मित्रा सरणी, सुभाषपल्ली, सिलीगुड़ी (प.बं.)	०८६२९९११४००
१७. **श्रीश्रीराधामाधव गौड़ीय मठ**, १६२, सैक्टर-१६-ए, फरीदाबाद, हरियाणा	०९९११२८३८६९
१८. **श्रीगोविन्द गौड़ीय मठ,** बेङ्गलुरु, कर्नाटक	०९९००१९२७३८
१९. **श्रीराधागोविन्द गौड़ीय मठ,** बड़ौत (उ॰प्र॰)	७०३७९१९९४९
२०. **श्रीकुञ्जविहारी गौड़ीय मठ,** अम्बाला (हरियाणा)	९७२९३८४९९५
२१. **श्रीराधाविनोदविहारी गौड़ीय मठ,** नोएडा (उ॰प्र॰)	९६५०८२४४४२
२२. Pure Bhakti Center, जयपुर (राजस्थान)	७२२९८८२२२८

गौड़ीय वेदान्त प्रकाशनसे प्रकाशित
शुद्ध-भक्ति ग्रन्थावली

१. श्रीमद्भगवद्गीता
२. जैवधर्म (जीवका धर्म)
३. श्रीचैतन्य शिक्षामृत
४. श्रीचैतन्यमहाप्रभुके स्वयं-भगवत्ता-प्रतिपादक कतिपय शास्त्रीय प्रमाण
५. श्रीचैतन्यमहाप्रभुकी शिक्षा
६. भक्तितत्त्व-विवेक
७. श्रीगौड़ीय गीतिगुच्छ
८. श्रीवैष्णव सिद्धान्तमाला
९. श्रीउपदेशामृत
१०. श्रीशिक्षाष्टकम्
११. श्रीमनः शिक्षा
१२. श्रीभक्तिरसामृतसिन्धुबिन्दु
१३. श्रीउज्ज्वलनीलमणिकिरण
१४. श्रीभागवतामृतकणा
१५. श्रीरागवर्त्मचन्द्रिका
१६. सत्क्रियासार-दीपिका
१७. अर्चन दीपिका
१८. मायावादकी जीवनी
१९. श्रीगौड़ीय कण्ठहार
२०. वेणुगीत
२१. श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजका चरित एवं शिक्षा
२२. श्रीभजनरहस्य
२३. श्रीव्रजमण्डल परिक्रमा
२४. श्रीप्रबन्धपञ्चकम्
२५. महर्षि दुर्वासा और श्रीदुर्वासा आश्रम
२६. श्रीब्रह्मसंहिता
२७. श्रीरायरामानन्द सम्वाद
२८. श्रीबृहद्भागवतामृतम् (तीन खण्डोंमें)
२९. श्रीप्रेमसम्पुट
३०. श्रीचमत्कारचन्द्रिका
३१. श्रीउज्ज्वलनीलमणि (सम्पूर्ण)
३२. श्रीमाधुर्य कादम्बिनी
३३. श्रीदामोदराष्टकम्
३४. श्रीनवद्वीपधाम-माहात्म्य
३५. श्रीनवद्वीपधाम-परिक्रमा
३६. श्रीश्रीराधाकृष्णगणोद्देश-दीपिका
३७. श्रीश्रीगौरगणोद्देश-दीपिका
३८. श्रीभागवतार्कमरीचिमाला
३९. श्रीमद्भागवतीय चतुःश्लोकी
४०. श्रीसंकल्पकल्पद्रुम
४१. श्रीरासपञ्चाध्यायी
४२. श्रीप्रेम-प्रदीप
४३. श्रीरथयात्रा
४४. नामाचार्य श्रील हरिदास ठाकुर
४५. चार वैष्णव आचार्य एवं श्रीगौड़ीय दर्शन
४६. श्रीमद्भागवतम् प्रथम-खण्ड (स्कन्ध १-४ अनुवादमात्र)
४७. श्रीमद्भागवत् दशम-स्कन्ध प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय-खण्ड (अध्याय १-८, ९-१६, १७-२८ सटीका)
४८. श्रीवेदान्त-सूत्र(४ अध्याय ४ खण्डोंमें)
४९. श्रीहरिनाम महामन्त्र
५०. गीतगोविन्द
५१. उत्कलिकावल्लरी
५२. भक्त-प्रह्लाद
५३. श्रीचैतन्य-चरित-पीयूष
५४. श्रीशिव-तत्त्व
५५. श्रीश्रीभागवत-पत्रिका